खाकी की दबंगई : बुलेट सवार को लात-थप्पड़ और गालियां

- ट्रैफिक एसआई की रेडिसन चौराहे पर हरकत का वीडियो वायरल
- डीसीपी ने दिए जांच के आदेश

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के व्यस्त रेडिसन चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस की दबंगई का मामला सामने आया है. ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर बलराम तोमर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक बुलेट सवार के साथ सरेराह मारपीट और गाली गलौज करते नजर आ रहे हैं. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो हैं. डीसीपी ने जांच के आदेश दिए हैं.

वायरल वीडियो महज कुछ सेकंड का है, लेकिन इसमें एसआई तोमर का आक्रामक रवैया साफ दिख रहा है. मामूली बात पर भड़के एसआई ने बीच चौराहे पर ही बाइक सवार को लात मार दी और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया. यह वीडियो भले ही कुछ महीने पुराना बताया जा रहा है, लेकिन इसके सामने आने के बाद एक बार फिर पुलिस के व्यवहार को लेकर चर्चा तेज हो गई है.

पहले भी विवादों में रह चुके हैं एसआई तोमर

बताया जा रहा है कि एसआई बलराम तोमर का नाम पहले भी विवादों में रह चुका है. ट्रैफिक विभाग में आने से पहले वे क्राइम ब्रांच में पदस्थ थे. चुनाव के दौरान उनका तबादला उज्जैन किया गया था, बाद में वे फिर इंदौर लौट आए. उन पर पहले भी वरिष्ठ अधिकारियों के नाम पर अवैध वसूली के आरोप लग चुके हैं. मामले को लेकर डीसीपी ट्रैफिक राजेश त्रिपाठी ने वीडियो की जांच के आदेश दिए हैं. अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

सायबर ठगी में नंबर वन बनता इंदौर, दो दिन में दर्जनों केस दर्ज

- फोन कॉल, फर्जी लिंक और ऐप से लोगों को ठगा
- तीन महीने में की गई करोड़ों की ठगी

नव भारत न्यूज

इंदौर. स्वच्छता में अव्वल इंदौर अब सायबर ठगों के निशाने पर है. शहर में ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में तेजी आई है. परसों 18 थानों में ई एफआईआर के आधार पर केस दर्ज हुए थे, वहीं अगले ही दिन 10 थानों में दो दर्जन नए मामले सामने आए. लगातार बढ़ते मामलों ने पुलिस और आम लोगों दोनों की चिंता बढ़ा दी है.

ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं. कहीं फोन कॉल कर झांसा दिया जा रहा है, तो कहीं फर्जी लिंक और एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक किए जा रहे हैं. 1930 नेशनल हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद पहले जीरो पर ई एफआईआर दर्ज होती है, जिसे बाद में संबंधित थानों में ट्रांसफर किया जाता है. पिछले तीन महीनों में शहर के अलग-अलग थानों में सैकड़ों केस दर्ज हो चुके हैं और करोड़ों रुपए की ठगी सामने आई है. बाणगंगा क्षेत्र में करोलबाग में रहने वाले अभिषेक करकरे के खाते से कॉल के जरिए 6 लाख रुपए से ज्यादा ट्रांसफर कर लिए. पलासिया में ऑनलाइन सामान मंगाने वाले सार्थक के साथ ठगी हुई, जबकि एमजी रोड क्षेत्र के विकास वर्मा के खाते से 37 हजार रुपए निकाल लिए. विनोबा नगर में रहने वाले शैलेंद्र शर्मा का मोबाइल गुम होने के बाद पीएनबी ऐप से करीब 2 लाख रुपए निकाल लिए. क्लर्क कॉलोनी निवासी हितेश चौकसे से फ्लाइट टिकट और होटल बुकिंग के नाम पर करीब 1.75 लाख रुपए ठग लिए. अयोध्या नगर के व्यापारी अमित वाधवानी से क्रेडिट कार्ड अपडेट के बहाने ओटीपी लेकर 65 हजार रुपए निकाल लिए. स्कीम 78 निवासी दिनेश कुमार के मोबाइल पर आई फर्जी केवाईसी लिंक से उनका फोन हैक कर करीब 1.5 लाख रुपए ट्रांसफर कर लिए.

इसी तरह न्यू मालवीय नगर की प्रतीक्षा मोरे, कृष्णबाग के अनिल चौहान, राजेंद्र नगर के तेजस्वी मनसोत्रा और सिलिकॉन सिटी की पूजा सहित कई अन्य लोग भी ठगी का शिकार हुए हैं. देपालपुर में जाकिर के मोबाइल पर परिचित के नंबर से आई एपीके लिंक ओपन करते ही उसका फोन हैक हो गया और 1.62 लाख रुपए ट्रांसफर हो गए. सुदामा नगर के अरुण शर्मा और भंवरकुआं क्षेत्र के पवन दांगी के खातों से भी लाखों रुपए की धोखाधड़ी सामने आई है. एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी साझा न करें और संदिग्ध कॉल आने पर तुरंत सतर्क रहें.

फ्लाइट टिकट, होटल बुकिंग के नाम पर की 1.77 लाख की ठगी

परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में फ्लाइट टिकट और होटल बुकिंग के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है. आरोपी ने झांसे में लेकर फरियादी से 1.77 लाख रुपए ऐंठ लिए. क्लर्क कॉलोनी में रहने वाले 43 वर्षीय हितेश चौकसे ने शिकायत में बताया कि आरोपी अमित कासलीवाल ने फ्लाइट टिकट और होटल बुकिंग कराने का झांसा दिया. भरोसे में लेकर उससे 1,77,000 रुपए ले लिए, लेकिन न तो टिकट कराया और न ही होटल बुकिंग की. मामले का खुलासा होने पर पुलिस ने आरोपी अमित कासलीवाल के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

बालकनी से गिरकर 2 वर्षीय मासूम की मौत

इंदौर. शहर में अलग-अलग दो स्थानों पर हुए हादसे में एक मासूम बच्ची सहित दो लोगों की मौत हो गई. आजाद नगर थाना क्षेत्र के आलोक नगर में 2 वर्षीय बच्ची की बालकनी से गिरकर तथा जूनी इंदौर थाने की जबरन कॉलोनी में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की सीढ़ियों से उतरते समय गिरने से मौत हो गई. पुलिस दोनों ही मामले दर्ज कर जांच कर रही है.

आजाद नगर थाना क्षेत्र के आलोक नगर में 2 वर्षीय पायल पिपलोदे की दूसरी मंजिल से गिरने से मौत हो गई. थाना प्रभारी लोकेश भदौरिया ने बताया कि परिजनों का कहना है कि शनिवार शाम उसकी मां रीना उसे तैयार कर बाथरूम में चली गई थी. इसी दौरान खेलते खेलते पायल बालकनी में पहुंच गई और करीब दो फीट ऊंची रेलिंग से झांकते समय संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गई. गंभीर हालत में परिजन उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां रात में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. परिजनों ने दिए बयानों में बताया कि परिवार मूल रूप से सतवास के पास करखेड़ा गांव का रहने वाला है और करीब 8 दिन पहले ही इंदौर शिफ्ट हुआ था. पायल के पिता को यहां एक कंपनी में नौकरी मिली है. उसकी एक 9 साल की बहन और 5 साल का भाई गांव में दादा दादी के पास रहते हैं. पायल का दूसरा जन्मदिन 5 मार्च को ही मनाया था.

सीढ़ियों से गिरने पर व्यक्ति ने तोड़ा दम

वहीं, जूनी इंदौर क्षेत्र की है, थाना प्रभारी अनिल गुप्ता ने बताया कि थाना क्षेत्र की जबरन कॉलोनी में रहने वाले 50 वर्षीय मृतक राजेश को शनिवार रात करीब 1 बजे परिजन घायल हालत में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे. बताया गया कि वह सीढ़ियों से उतरते समय गिर गए थे, जिससे उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोट आई थी. राजेश सरिया बांधने का काम करते थे. उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

भंवरकुआं, अन्नपूर्णा और सदर बाजार थाना प्रभारी हटाए गए

- नए को सौंपी कमान, पुराने प्रभारियों को क्राइम ब्रांच भेजा

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस महकमे में थाना प्रभारी स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है. डीसीपी मुख्यालय के आदेश पर शहर के तीन प्रमुख थानों में नए टीआई की पदस्थापना की गई है, जबकि मौजूदा प्रभारियों को क्राइम ब्रांच भेजा गया है.

कमिश्नर संतोष सिंह के निर्देश पर भंवरकुआं थाने की कमान अब संतोष दूधी को सौंपी गई है. छात्र बहुल और संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. वहीं हित गोपाल यादव को अन्नपूर्णा थाना प्रभारी बनाया गया है. वे पहले भंवरकुआं के लिए प्रयासरत थे, लेकिन उन्हें अजय नायर के स्थान पर अन्नपूर्णा भेज दिया.

इसी तरह पीएल शर्मा को सदर बाजार थाने की जिम्मेदारी दी गई है. उन्हें पहले हीरानगर से हटाकर क्राइम ब्रांच भेजा था और तब से वे नई पदस्थापना की प्रतीक्षा में थे. उधर, भंवरकुआं से राजकुमार यादव, अन्नपूर्णा से अजय नायर और सदर बाजार से यशवंत बड़ोले को क्राइम ब्रांच में स्थानांतरित कर दिया है. विभागीय सूत्रों के मुताबिक यह सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है, हालांकि कुछ अधिकारियों के कामकाज और जनता से संवाद को लेकर असंतोष भी सामने आया था.

एक नजर में

1100 श्री हनुमान चालीसा संगठित पाठ संकल्प का भव्य समापन

महू. श्री रामा सामाजिक सांस्कृतिक एवं धर्म जागरण समिति (रामा दल) के संस्थापक और अध्यक्ष लोकेश शर्मा के मार्गदर्शन में हिन्दू शक्ति को संगठित करने के उद्देश्य से वार्ड 1 के स्थानीय कनॉट रोड स्थित पिपलेश्वर गणेश मंदिर पर 1100 श्री हनुमान चालीसा पाठ सैकड़ों सनातनी महिला-पुरुषों, वरिष्ठ जन, प्रमुख व्यापारी बंधुओं की उपस्थिति में आयोजित किया गया. विशेष अतिथि के रूप में प्रमुख डेरी व्यवसाई वासुदेव प्रेमी, प्रसिद्ध ज्योतिष रमेश चंद्र शर्मा (कलवा महाराज) एवं प्रसिद्ध व्यवसाई राजेश अग्रवाल (सांची डेरी) के साथ ही वार्ड एक के विभिन्न मंदिरों के आचार्य नरसिंह मंदिर से मोहन शर्मा, गोवर्धन नाथ मंदिर से माधव प्रसाद भट्ट, मुरली मनोहर मंदिर से लक्ष्मण शर्मा एवं पिपलेश्वर गणेश मंदिर से संतोष काशिव मौजूद रहे. अतिथियों का स्वागत मानस गुप्ता, मयूर सेन, दिनेश मकवाना, अर्पित तायल, उज्जवल चौरसिया, कृष्णा विजयवर्गीय एवं अंकुर मित्तल ने किया. विशेष अतिथि राजेश अग्रवाल ने सनातनी संगठन पर विशेष प्रकाश डाला. हनुमान चालीसा पाठ में चक्की वाले महादेव मंदिर मंडल के राकेश चौहान, राजकिशोर शर्मा (पप्पू), प्रशांत वर्मा ने अपनी विशेष स्वर लहरियों से समां बांध दिया. हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात महाआरती एवं प्रसादी वितरण किया गया. आयोजन में विनोद गर्ग, राधेश्याम सोलंकी, सुखराम सेन, नवीन दादू, जितेन गोयल, सुधीर खंडेलवाल, संजय विजयवर्गीय, कुणाल यादव, राजकिशोर अग्रवाल, श्रीराम चौरसिया, अमित बंसल, सूचित बंसल, गोलू वर्मा, नितेश शर्मा आदि का सराहनीय सहयोग रहा. संचालन अंकुश चिड़वाल ने किया, आभार श्रीमती नीता नवीन दादू ने व्यक्त किया.

फुटबॉल स्पर्धा के तीसरे दिन शानदार खेल प्रदर्शन

महू. भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर रात्रिकालीन फुटबॉल स्पर्धा के तीसरे दिन दो मैच खेले गए. इसमें यंग ब्रदर्स ने न्यू ताज क्लब को 1-0 से हरा दिया, वहीं चंद्रावत फुटबाल क्लब ने सेवन स्ट्राइकर को ट्राइब्रेकर के सडन डेज में 6-5 से पराजित किया. फ्लड लाइट्स में खेली जा रही रात्रिकालीन स्पर्धा में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला. तृतीय दिवस के मुख्य अतिथि भाजपा जिला पंचायत सदस्य दिनेश सिंह चौहान, नगर मंडल अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर अजय कुमार चौधरी, मनीराम साहू, सुभाष पाटीदार थे. दोनों मुकाबलों में टीमों के बीच बेहतर तालमेल, आक्रामक खेल शैली एवं मजबूत रणनीति देखने को मिली. खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया. यह जानकारी आयोजन समिति के महेश बागड़ी, अशोक परदेशी एवं डॉ. राजेश पाटीदार ने दी. उन्होंने बताया कि बताया कि 2 अप्रैल से शुरू हुई यह स्पर्धा 13 अप्रैल तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से आयोजित की जा रही है, जिसमें इंदौर एवं महू की 32 टीमें भाग ले रही हैं. स्पर्धा सचिव मैच कमिश्नर शशि यादव ने बताया कि कल मंगलवार को दो मैच खेले जाएंगे.

फिजिकल ट्रेनिंग के साथ फुटबॉल रेफरी प्रशिक्षण शिविर का समापन

महू. खेलों की नगरी महू में फुटबॉल खेल के विकास एवं उन्नति के लिए इन्दौर जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष दीपक जोशी के निर्देशानुसार और मुकेश शर्मा की अध्यक्षता में इंदौर जिला फुटबाल संघ सचिव लोकेंद्र वर्मा द्वारा प्रदेश के समस्त सीनियर और जूनियर रेफरी लेवल 8, 7, 6 और 5 कोर्स का आयोजन 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक शिक्षा शिखर स्कूल महू में आयोजित किया गया. इस कोर्स के साथ रेफरी असेसर और मैच कमिश्नर का भी प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण के अंतिम दिन स्पोर्ट्स इंज्यूरी से संबंधित प्रेजेंटेशन प्रशिक्षण कर्नल डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह द्वारा दिया गया. सभी 60 प्रशिक्षण अभ्यर्थी जूनियर एवं सीनियर रेफरियों ने खेल के दौरान सम्भावित गम्भीर चोटों का तुरन्त उपचार, रेफरी, कोच, मैनेजर और डॉक्टर फिजियो के मध्य समन्वय से संबंधित विषय पर डॉ. कर्नल शैलेंद्र कुमार से उपचार एवं तुरंत उपचार के टिप्स सीखे. प्रशिक्षण इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षक एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय फीफा रेफर पीके बोस दिया. सहयोगी के रूप में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एलिट रेफरी पेनल के पूर्व सदस्य मुश्ताक अहमद सिद्दीकी और राष्ट्रीय निर्णायक गौरव शर्मा, अमजद मंसूरी, आयुष शर्मा मौजूद रहे.

पत्नी मायके में, पति ने फांसी लगाई, अस्पताल में तोड़ा दम

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र के निरंजनपुर में 20 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

थाना प्रभारी तारेश सोनी ने बताया कि 20 वर्षीय मृतक नयन पिता राम सिंह राय रात में अपनी किराना दुकान से घर लौटा था. करीब साढ़े नौ बजे उसके भाई मयंक ने उसे कमरे में फंदे पर लटका हुआ देखा. परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारा, तब तक उसकी सांसें चल रही थीं. उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया.

परिजनों ने पुलिस को बताया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. नयन ने करीब एक साल पहले प्रेम विवाह किया था. घटना के समय उसकी पत्नी मायके में थी, जबकि माता पिता किसी कार्यक्रम में गए हुए थे. प्रारंभिक जांच में पति पत्नी के बीच विवाद की आशंका जताई जा रही है. मामले में परिजनों के बयान लेकर कारणों की जांच कर रही है.

जंगल में तेंदुओं का आतंक : दो किसानों पर किया हमला

- सांवेर और महू क्षेत्र की घटनाएं, वन विभाग अलर्ट

नव भारत न्यूज

इंदौर. जिले के दो अलग-अलग तहसीलों के जंगलों में तेंदुओं के हमलों से दहशत फैल गई. गुरुवार शाम से शुक्रवार सुबह के बीच हुए तेंदुओं के इन हमलों में दोनों घायल किसानों का नाम अर्जुन है. दोनों ने हिम्मत दिखाते हुए तेंदुओं का सामना किया और अपनी जान बचाई. जानकारी के अनुसार, सांवेर तहसील के सुलाखेड़ी गांव में 34 वर्षीय किसान अर्जुन पिता मांगीलाल पर तेंदुए ने हमला किया. जबकि महू तहसील के कुशलगढ़ जंगल में डमाली गांव के 57 वर्षीय किसान अर्जुन पिता दरियावसिंह पर भी तेंदुए ने हमला कर दिया. दोनों ही मामलों में किसानों ने हिम्मत दिखाते हुए तेंदुए से मुकाबला किया और उसे खदेड़ दिया. घायल किसानों को इलाज के लिए इंदौर के एमवाय अस्पताल और महू के मध्य भारत अस्पताल में भर्ती कराया है. इलाज के दौरान वन विभाग ने वन्यजीव हमले में मिलने वाले मुआवजे की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. फॉरेस्ट रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि घटना के बाद सुलाखेड़ी क्षेत्र में पिंजरा लगाकर गश्त बढ़ा दी गई है, ताकि तेंदुए को पकड़कर इलाके में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

वॉशरूम में स्पाई कैमरा लगाकर वीडियो बनाता था सफाईकर्मी

- ऑफिस के कॉमन वॉशरूम में छुपाया था कैमरा
- मोबाइल में मिले कई आपत्तिजनक वीडियो

नव भारत न्यूज

इंदौर. तुकोगंज थाना क्षेत्र में एक ऑफिस के कॉमन वॉशरूम में स्पाई कैमरा लगाकर वीडियो बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. यह करतूत वहां का सफाई कर्मचारी ही कर रहा था. पुलिस ने मामले में आरोपी सफाईकर्मी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि जंजीरवाला स्क्वायर स्थित ग्रेविटी टॉवर (301) में शुक्रवार 3 अप्रैल को वॉशरूम में छुपा कैमरा मिलने की शिकायत मिली थी. इसके बाद ऑफिस प्रबंधन ने आंतरिक जांच की, जिसमें आरोपी की पहचान अमर टेकरी पर रहने वाले 19 वर्षीय शुभम वानखेड़े के रूप में हुई. बताया गया कि आरोपी ऑफिस में स्वीपर का काम करता था और वॉशरूम की सफाई के दौरान उसने गुप्त रूप से कैमरा फिट कर दिया था.

जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन में वॉशरूम के कई वीडियो मिले, जो स्पाई कैमरा डिवाइस से जुड़े एप के जरिए रिकॉर्ड किए थे. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. साथ ही मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर साक्ष्यों की जांच की जा रही है. पुलिस के मुताबिक यह कृत्य कर्मचारियों की निजता का गंभीर उल्लंघन है. मामले में आगे की विवेचना जारी है.

2.40 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ 4 धराए

- आरोपियों में इवेंट ऑर्गेनाइजेशन का काम करने वाली एक महिला भी

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच इंदौर ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 2.40 लाख रुपए कीमत की 24.08 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की. साथ ही एक कार और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं.

एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि यह कार्रवाई मंगल परिसर गार्डन के पीछे कनकेश्वरी खाली मैदान क्षेत्र में की गई. टीम को एक सफेद वरना कार संदिग्ध हालत में खड़ी दिखाई दी. जांच करने पर कार में एक महिला सहित चार लोग बैठे मिले. पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर तलाशी ली गई, जिसमें कार के सीलिंग बॉक्स से एमडी ड्रग्स बरामद हुई. गिरफ्तार आरोपियों में रिजवान खोकर, फैजान मंसूरी, समीर लकारा तीनों निवासी रतलाम जबकि काजल उपाध्याय जो कि इंदौर की रहने वाली शामिल हैं. आरोपियों के कब्जे से जब्त सामग्री की कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई गई है. पूछताछ में आरोपियों ने सस्ते में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर में नशे के आदी लोगों को महंगे दाम पर बेचने की बात कबूली है. आरोपी रिजवान पर पहले भी रतलाम में मारपीट का केस दर्ज है, जबकि काजल उपाध्याय इवेंट ऑर्गेनाइजेशन का काम करती है. मामले में एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

एक नजर में

नियोजन व सुरक्षा के अभाव के कारण स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ गईं, जिससे काम की गुणवत्ता व गति पर सवाल उठ रहे हैं

चंद्रभागा मार्ग के नवनिर्माण ने लापरवाह सिस्टम की कलई खोली

इंदौर. शहर के चंद्रभागा मार्ग का नवनिर्माण युद्ध स्तर पर होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन खुदाई के दौरान सामने आई हकीकत ने सिस्टम की लापरवाही उजागर कर दी है. जमीनी हकीकत के अनुसार, खुदाई में न केवल पुरानी पाइपलाइनों व तारों का जाल अस्त-व्यस्त मिला है, बल्कि नियोजन व सुरक्षा के अभाव के कारण स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो काम की गुणवत्ता व गति पर सवाल उठाता है.

खुदाई के दौरान अंडरग्राउंड यूटिलिटीज (बिजली, पानी, सीवर लाइनें) की मैपिंग न होने से काम बार-बार बाधित हो रहा है. निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का सही पालन न होने से राहगीरों व निवासियों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है. जल्दबाजी में की जा रही खुदाई व निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी स्थानीय स्तर पर असंतोष देखा जा रहा है, क्योंकि कार्य की गति के मुकाबले प्रबंधन कमजोर नजर आ रहा है. प्रशासन को इस लापरवाही को सुधारने और व्यवस्थित तरीके से कार्य पूर्ण करने की आवश्यकता है. जूनी इंदौर का यह मार्ग हर बारिश में तालाब बनता रहा. चंद्रभागा पुल तक हालात ऐसे कि चार पहिया वाहन तक डूब जाते हैं. नवभारत ने समय-समय पर इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाया, साथ ही इसके कारणों को भी उजागर किया. लेकिन, जिम्मेदार लापरवाह बनो रहे. खबरों के जरिये पहले ही बताया जा चुका था कि यहां महाराजा कालीन गहरा नाला मौजूद है, जिसकी सफाई नहीं होने से पानी की निकासी बाधित होती है. अब खुदाई में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि नाले के भीतर करीब 5 फीट चौड़े पाइप लगे थे, जो पर्याप्त निकासी कर सकते थे, फिर भी सालों तक जलभराव होता रहा. गाद नहीं हटाना, सीवरेज लाइन की सफाई नहीं करना क्या यह सिर्फ लापरवाही है या जानबूझकर अनदेखी? आखिर कब तक जनता डूबती सड़कों और खोखले दावों का खामियाजा भुगतती रहेगी?

यह बोले रहवासी...

नियमित नाला सफाई सीवरेज मॉनिटरिंग और जवाबदेह सिस्टम ही समाधान है. काम शुरू होने से पहले जमीनी जांच हो, ताकि समस्या जड़ से खत्म हो न कि हर साल वही हालात दोहराए जाएं.

– सैय्यद अशरफ अली

सड़क बार-बार बनाना विकास नहीं संसाधनों की बर्बादी है. जब मूल समस्या पहले ही हल हो सकती थी तो करोड़ों खर्च क्यों किए जा रहे? जनता का पैसा सही मायनों में विकास में लगना चाहिए.

– अंकित मगरे

वर्षों तक चेतावनी के बावजूद आंखें मूंदे रखना सिर्फ लापरवाही नहीं जिम्मेदारी से भागना है. समय पर सफाई होती तो हालात न बिगड़ते, आखिर सिस्टम कब जागेगा और जवाबदेही कब तय होगी?

– मुकेश कुमार वर्मा